

24/10/24

पचावली पेस हई कधिवस्ता रूप  
पक्ष दालि नही बार-2 हावनों  
लगायी गई दालि नही। कालगत  
बकालगत कोई दालि नही दैत  
पर पचावली मसल पेरी। कालगत  
पे दालिये से खाखा की लगी  
है पचावली केवल एक बर  
बकालगत मसल दालि दैत

